मेरे भोले खोलों ज्ञ नयनों के हार विनती करूँ, बस एक बार बस एक बार, बस एक बार वूर हटा दो, संघकार अध्या भेरे भोले-----

भोले-त्-दानी महादानी औढ़रदानी - नाम तेरा भीक्त के भरो... भंडार 11211 मेरे भोले-----

भर दो गागर, करूणा सागर कर उजागर, धाम अपना जाने तभी तो संसार ॥ ॥ मेरे भोले ----- है लोक पालक, में हूं बालक सबके लायक, त् बना-दे चेरे खड़े हैं क्यों, विचार ।।२॥ मेरे भोले-----

तूफां में नैया - जग र्चैया ना खिवैया - अब तो आजा हूटी मेरी ये, पतवार *** ॥ ॥ ॥ मेरे भोले ----

विखे न किनारा-खुद से हारा वे सहारा-इस भँवर में... सुन लो "थ्रीबाबाथी"की पुकार आ 11211 मेरे भोले-----